नववर्ष के आगमन पर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों एवं जवानों को यह संदेश प्रेषित करते हुए मैं बल की उस अटूट प्रतिबद्धता को नमन करता हूँ, जिसके माध्यम से राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं आंतरिक सुरक्षा निरंतर संरक्षित हो रही है।

नववर्ष के आगमन के अवसर पर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के समस्त अधिकारियों एवं जवानों को संबोधित करना मेरे लिए गौरव और सम्मान का विषय है। बल के कार्मिकों द्वारा प्रदर्शित अटूट प्रतिबद्धता, निःस्वार्थ सेवा एवं कर्तव्यनिष्ठा राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा आंतरिक सुरक्षा को निरंतर सुदृढ़ बनाए हुए है।

वर्ष 2025, सीआरपीएफ के गौरवशाली इतिहास में एक महत्वपूर्ण एवं निर्णायक वर्ष सिद्ध हुआ। वर्ष भर देश के विभिन्न भागों में बल ने जटिल आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों का सामना करते हुए अद्वितीय साहस, उच्च कोटि की व्यावसायिक दक्षता एवं परिचालन उत्कृष्टता का परिचय दिया।

वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध अभियान में सीआरपीएफ ने **अग्रणी बल** के रुप में निर्णायक भूमिका निभाई। **छत्तीसगढ़ के केजीएच क्षेत्र में संचालित ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट** एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रुप में उभरा। वर्ष के दौरान **बड़ी संख्या में माओवादियों को निष्क्रिय किया गया,** साथ ही हथियारों, गोला-बारूद एवं विस्फोटक सामग्री की व्यापक बरामदगी की गई। **फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (FOB)** के नेटवर्क की स्थापना के माध्यम से सुरक्षा तंत्र को और अधिक सुदृढ़ किया गया तथा **नक्सल-मुक्त भारत** के लक्ष्य की दिशा में ठोस प्रगति हुई।

जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकी हमले के बाद, सीआरपीएफ ने आतंकवाद-विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें त्वरित कार्रवाई और सहयोगी एजेंसियों के साथ निर्बाध समन्वय शामिल था। इस वर्ष, ऑपरेशन महादेव सहित अनेकों सफल ऑपरेशनों के द्वारा बडी संख्या में आतंकवादियों को निष्क्रिय किया गया एवं भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। संवेदनशील क्षेत्रों में शांति और स्थिरता को मजबूत करने में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी ने उल्लेखनीय योगदान किया। बल ने श्री अमरनाथ जी यात्रा का सुरक्षित संचालन भी सुनिश्चित किया। बल के अधिकारियों एवं जवानों ने ऊंची पहाड़ियों पर TOB (Temporary operating Base) के माध्यम से कठिन परिस्थितियों में भी दायित्व का निर्वहन किया है। चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने में सीआरपीएफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में उग्रवादियों और उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया और भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और नशीले पदार्थ बरामद किए गए।

हमारी विशेष इकाइयों कोबरा, रैपिड एक्शन फोर्स और वीआईपी सुरक्षा विंग ने अपने-अपने क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किया है। सीएपीएफ की नोडल एजेंसी के रुप में सीआरपीएफ ने बिहार और दिल्ली में स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुचारु चुनाव कराए।

सीआरपीएफ ने **आपदा प्रबंधन एवं मानवीय सहायता** के क्षेत्र में भी अग्रिम पंक्ति में रहते हुए विभिन्न आपात स्थितियों के दौरान समयबद्ध एवं प्रभावी सहायता प्रदान की। साथ ही, **आधुनिकीकरण, तकनीकी उन्नयन, प्रशिक्षण तथा कल्याणकारी उपायों** पर केंद्रित पहलों के माध्यम से बल की परिचालन क्षमता एवं मनोबल को और अधिक सुदृढ़ किया गया।

हम कर्तव्य पालन के दौरान **अपने प्राणों की आहुति देने वाले आठ वीर शहीदों** को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और दस वीर जवानों, जिन्होंने अभियान के दौरान अपने अंग खो दिये हैं, उनके शीघ्र स्वास्थ लाभ की कामना करते हैं।

वर्ष 2026 की ओर अग्रसर होते हुए, सीआरपीएफ राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करते हुए **31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन** के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु तकनीक-आधारित अभियानों, नेतृत्व विकास तथा अंतर-एजेंसी समन्वय को सशक्त बनाने के लिए पूर्णतः संकल्पबद्ध है।

नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर, मैं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल परिवार के समस्त सदस्यों को उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं निरंतर सफलता की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। आइए, हम सभी **"सेवा और निष्ठा"** के अपने ध्येय वाक्य के प्रति अडिग रहते हुए एकजुटता, एवं गर्व के साथ आगे बढ़ें। इस अवसर पर हम "राष्ट्र प्रथम" के अपने संकल्प के प्रति भी पुनः समर्पित होने की शपथ लेते हैं।

जय हिंद।

(महानिदेशक)

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल